

10.2.1 अर्थ (Meaning) -

'वैज्ञानिक प्रबन्ध' दो शब्दों, 'वैज्ञानिक' एवं 'प्रबंध' के संयोग से बना है। 'वैज्ञानिक' शब्द का प्रयोग नये 'अभिगम' (New Approach) के अर्थ में किया जाता है और 'प्रबन्ध' का अर्थ होता है दूसरों से काम कराना (Getting things done)। इस प्रकार 'वैज्ञानिक प्रबन्ध' की अवधारणा (Concept) स्पष्ट रूप में 'श्रमिकों से काम कराने में नये अभिगम या नये तरीके के प्रयोग' (Application of new approach in getting things done by the workers) को अभिव्यक्त करती है। औद्योगिक क्रान्ति के अन्तर्गत बड़े पैमाने पर उत्पादन पर काफी बल दिया गया जिसने यह आवश्यक बना दिया कि प्रबन्ध की 'परम्परागत विधियों के स्थान पर 'वैज्ञानिक विधियों' अर्थात् 'परम्परा या मनमानी अथवा गलती करो और सुधारों की विधि के अनुसार निर्धारित नीतियों की अपेक्षा वैज्ञानिक अनुसंधान एवं विश्लेषण से निकाले गए सिद्धांतों अथवा नियमों (एच० एस० पर्सन) का प्रयोग किया जाए। अतएव वैज्ञानिक प्रबन्ध से 'नई धारणा' (New Attitude) अथवा 'नये दर्शन' (New Philosophy) का बोध होता है।

एफ० डब्लू० टेलर (F W Taylor) को वैज्ञानिक प्रबन्ध का जनक माना जाता है और इसीलिए वैज्ञानिक प्रबंध को 'टेलरवाद' (Taylorism) भी कहा जाता है।

10.2.1.1 टेलरवाद या टेलर का वैज्ञानिक प्रबन्ध का दर्शन (Taylorism or Taylor's Philosophy of Scientific Management)

टेलर उस समय संयुक्त राज्य अमरीका में एक इस्पात कारखाने में इंजीनियर थे, जब उन्होंने वैज्ञानिक प्रबन्ध की अवधारणा का प्रतिपादन किया था। कारखाने में श्रमिकों के कार्यों का पर्यवेक्षण करते हुए उन्होंने पाया था कि उत्पादन में अग्रिम नियोजन का अभाव था, उपकरण एवं औजार अपर्याप्त और पुराने थे तथा कार्य करने की विधियों में अनावश्यक एवं कुनिदेशित (Ill-directed) शारीरिक गतियों का समावेश था। अतएव उन्होंने औजारों एवं विधियों का प्रयोग करते हुए श्रमिकों के कार्यों का अवलोकन एवं परीक्षण किया। परिणाम इस अर्थ में चौका देने वाला था कि एक श्रमिक की उत्पादकता 284 प्रतिशत से बढ़ गई थी।

इस प्रकार एफ० डब्लू० टेलर के शब्दों में 'वैज्ञानिक प्रबन्ध का अर्थ यथार्थ रूप से यह जानना कि आप श्रमिकों से क्या कराना चाहते हैं तथा यह देखना है कि वे उसे सर्वोत्तम एवं मितव्ययीपूर्ण तरीके से पूरा करें' (Scientific management means knowing exactly what you want ment to do and seeing that they do it in the best and cheapest way)। उनके विचारों के आधार पर टेलर के वैज्ञानिक प्रबन्ध में निम्नांकित विचारों का समावेश है।

- (i) अग्रिम में कार्य की योजना बनाना अर्थात् अग्रिम में यह तय कर लेना कि श्रमिकों से क्या कराना है।
- (ii) प्रावधानों के द्वारा श्रमिकों से सर्वोत्तम एवं मितव्ययीपूर्ण तरीके से निम्नांकित कार्य कराना।
 - (अ) प्रत्येक कार्य के लिए सही व्यक्ति का चुनाव करना,
 - (ब) चुने गए व्यक्तियों का प्रशिक्षण द्वारा विकास करना,
 - (स) काम करने में होने वाली शारीरिक अनावश्यक हरकतों को समाप्त करना,
 - (द) दिए हुए कार्य या कार्य के हिस्से को पूरा करने के लिए समय निश्चित करना,
 - (इ) उन्नत औजारों एवं उपकरणों का प्रयोग करना तथा

(ई) भिन्न कार्यानुसार दर के अनुसार मजदूरी का भुगतान करना।

10.2.2 अन्य परिभाषाएँ (Other Definitions)

टेलर के विचारों का अन्य प्रबंध विचारकों द्वारा विकास किया गया। उनके विचारों पर आधारित कुछ अन्य प्रमुख परिभाषाएँ इस प्रकार हैं-

1. लायड डाड एवं लिंच (Lloyd Dodd and Lynch) के अनुसार, "विस्तृत अर्थ में वैज्ञानिक प्रबन्ध पद्धतियों, व्यक्तियों, सामग्रियों, मशीनों तथा धन के अधिकतम लाभ प्राप्त करने का प्रयास करता है तथा कारखाने के स्थानीयकरण एवं विन्यास से लेकर वस्तुओं के अन्तिम विवरण तक उत्पादन की समस्त क्रियाओं को नियंत्रित करता है" (In broad outline, scientific management seeks to get the maximum from methods, men, materials, machines and money and it controls the work or production from the location and layout of the works to the final distribution of the product)।
2. डाइमर, (Diemer) की परिभाषा के अनुसार "वैज्ञानिक प्रबन्ध से आशय प्रबन्ध के क्षेत्र में दशाओं, पद्धतियों, विधियों, सम्बन्धों एवं परिणामों से सम्बन्धित ज्ञान को प्राप्त एवं व्यवस्थित कर उपयोग के लिए उनको एक संगठित सिद्धांत के रूप में विकसित करना है" (Scientific management is the obtaining, digesting, and arranging of all obtainable knowledge relating to the conditions, methods, processes, and relation in the field of management and developing these into an organized body of principles)।
3. पीटर एफ० ड्रकर के शब्दों में, "इनका (वैज्ञानिक प्रबन्ध का) मूल तत्व कार्य का संगठित अध्ययन, कार्य का उसके तत्वों में विश्लेषण तथा श्रमिक द्वारा कार्य के प्रत्येक तत्व को सम्पन्न करने की विधि में व्यवस्थित सुधार है" (Its core is the organised study of work, the analysis of work into its elements and the systematic improvement of the worker's performance of each element)।
4. मार्शल (Marshall) के अनुसार, "वैज्ञानिक प्रबन्ध के अन्तर्गत श्रमिकों के उत्तरदायित्व की सीमा को कम कर तथा विवेकपूर्ण अध्ययन द्वारा न्यूनतम शारीरिक श्रम को संभव वृत्ताकार श्रमिकों की कार्य क्षमता बढ़ाने का प्रयास किया जाता है। (It is in the main a method of the personnel of a great business with the purpose of increasing efficiency by narrowing the range of responsibility of most of its employees, and bringing careful studies to bear on the instructions given in regard to the simplest manual operation)।

उपर्युक्त वर्णित परिभाषाओं से वैज्ञानिक प्रबन्ध की निम्नांकित विशेषताएँ स्पष्ट होती हैं-

1. यह उद्देश्यपूर्ण सामूहिक प्रयास में संगठन एवं पद्धति का एक प्रारूप है।
2. यह संगठन एवं पद्धति का वह प्रारूप है, जो कुछ प्राप्त सिद्धांतों या नियमों पर आधारित होता है।
3. यह जिन सिद्धांतों या नियमों पर आधारित है, वे कार्य के विभिन्न तत्वों, काम करने की दशाओं, काम करने की विधि तथा काम करने वालों के बीच के क्रियात्मक सम्बन्ध के वैज्ञानिक अनुसंधान, विश्लेषण एवं क्रियात्मक अध्ययन द्वारा प्राप्त किए गए होते हैं।

4. यह अनावश्यक थकान को समाप्त करते हुए शारीरिक गतियों द्वारा प्रमाणित समय के भीतर काम करने की सर्वोत्तम एवं मितव्ययितापूर्ण विधि का पता लगाता है।
5. इसके अन्तर्गत कार्मिकों (काम करने वालों) के वैज्ञानिक चुनाव एवं प्रशिक्षण, प्रमाणित औजारों एवं उपकरणों के प्रयोग तथा प्रमाणित कार्य पूरा करने वालों या प्रभावित समय के भीतर काम पूरा करने वालों को प्रेरणात्मक मजदूरी के भुगतान का समावेश होता है।
6. इस प्रकार यह श्रमिकों की कार्यक्षमता बढ़ाकर उत्पादन बढ़ाने का उद्देश्य रखता है।
7. अतएव उसे पूँजी, भूमि एवं श्रम को इस प्रकार से संयोजित करने की प्रक्रिया कहा जा सकता है जिससे अधिकतम उत्पादन सम्भव हो।
8. किम्बल व किम्बल (Kimbal and Kimbal) के शब्दों में, "यह एक धारणा है जो 'मैं समझता हूँ' को 'मैं जानता हूँ' से प्रतिस्थापित करने का उद्देश्य रखती है।